

“आईआईटी रोपड़ AWADH ने GBPIET यूनिवर्सिटी, उत्तराखंड के साथ मिलकर, DST भारत सरकार द्वारा समर्थित IIT रोपड़ की आइडियाथॉन पहल के तहत कार्यशाला का आयोजन किया”

आईआईटी रोपड़ की समृद्धि पहल के तहत उन्नत विनिर्माण तकनीक और स्टार्टअप पर दो दिवसीय कार्यशाला

आईआईटी रोपड़ ने GBPIET यूनिवर्सिटी, उत्तराखंड के साथ मिलकर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

रोपड़/चंडीगढ़, 28 अप्रैल, 2025

आईआईटी रोपड़ प्रौद्योगिकी और नवाचार फाउंडेशन AWADH, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के NM-ICPS के तहत, गोविंद बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (GBPIET), पौड़ी, उत्तराखंड के सहयोग से, IIT रोपड़ की समृद्धि आइडियाथॉन पहल के तहत **“उन्नत विनिर्माण तकनीक में हालिया रुझान और छात्रों के लिए स्टार्टअप अवसर”** पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।



कार्यशाला ने संकाय और छात्र स्टार्टअप को सशक्त बनाया, जिससे कृषि, AI और CPS में नवाचार के लिए IIT रोपड़ की प्रतिबद्धता को बल मिला। GBPIET को CPS प्रशिक्षण के लिए अनुदान प्राप्त करने के लिए आइडियाथॉन पहल के तहत चुना गया था। डॉ. अमित कुमार (PI) और छात्र रोहित कंडवाल ने जल उपचार प्रौद्योगिकी विकास के लिए अतिरिक्त ₹2.5 लाख का अनुदान भी प्राप्त किया।



उद्घाटन सत्र में डॉ. धनंजय सिंह (निदेशक, GBPIET), प्रो. केकेएस मेर (HOD), प्रो. संजीव नैथानी (Dean R&D), डॉ. मुकेश केस्टवाल (CIO, IIT Ropar TIF), डॉ. अमित कुमार (पीआई), और सह-पीआई डॉ. आशुतोष गुप्ता और डॉ. हिमांशु प्रसाद रतूड़ी शामिल थे। डॉ. धनंजय सिंह ने छात्र-उद्योग संपर्क को बढ़ावा देने में कार्यशालाओं की भूमिका पर जोर दिया और टीम को बधाई दी। डॉ. मुकेश केस्टवाल ने आईआईटी रोपड़ की iHub- AWaDH और कृषि में AI CoE, ANNAM.AI की पहल पर मुख्य भाषण दिए। उन्होंने सीपीएस एकीकरण, फंडिंग के अवसर, टीआरएल और स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग पर चर्चा की।



डॉ. पवन राकेश (एनआईटी उत्तराखंड) ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग पर एक तकनीकी सत्र का नेतृत्व किया सिंह (आईआईटी रुड़की) ने अपरंपरागत मशीनिंग पर और प्रो. ऋतुनेश कुमार (आईआईटी इंदौर) ने सरफेस मॉडिफिकेशन पर और डॉ. आर.एस. मुलिक (आईआईटी रुड़की) ने विनिर्माण स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के अवसरों पर सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। डॉ. मुकेश केस्टवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह कार्यशाला, डीएसटी एनएम-आईसीपीएस के तहत 14 कार्यशालाओं का हिस्सा है, जो "विकसित भारत 2047" का समर्थन करती है और AWADH CPS लैब्स, प्रशिक्षण, SPRINT और समृद्धि पहलों के माध्यम से जमीनी स्तर पर नवाचार को मजबूत करती है।

पीआईबी चंडीगढ़: पीआरओ, आईआईटी रोपड़/ रूस